वुमेन आब्जर्वर

पाक्षिक

वुमेन ऑब्जर्वर
पाक्षिक
8/141, मालवीय नगर,
जयपुर-302017
मोबाइल - 08559873580
ई मेल-
womenobserver@gmail.com

वर्ष : 25 अंक : 3 आर.एन.आई.नं. 63262/92 पो.रजि.नं. Jaipur City/208/2016-18 5 अगस्त, 2016 वार्षिक शुल्क : 50 रु. एक प्रति 2.00 रु.

श्री खण्डेलवाल वैश्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय का स्थापना दिवस समारोह

महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने में सरकार प्रयासरत:सराफ

जयपुर। उच्च शिक्षा मंत्री कालीचरण सराफ ने कहा है कि श्री खण्डेलवाल वैश्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय ने महिला शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान कायम कर गौरवशाली इतिहास रचा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे की नेतृत्व वाली राज्य सरकार प्रदेश में महिला सशक्तिकरण के साथ ही महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है।

उच्च शिक्षा मंत्री सराफ जयपुर शहर के श्री खण्डेलवाल वैश्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय 27वें स्थापना दिवस एवं दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि जयपुर शहर में संचालित इस महाविद्यालय में कम फीस एवं श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम देने में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि मुझे भी इस संस्थान में शिक्षा ग्रहण करने का मौका मिला।

उन्होंने कहा कि हमारा यह प्रयास रहेगा कि प्रदेश के हर उपखण्ड मुख्यालयों पर महिला महाविद्यालय खोले इसके लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि देश के अनेक राज्यों के साथ विदेशों से यहां विद्यार्थी अध्ययन करने आते हैं। राज्य की शिक्षा प्रणाली की विशिष्ट पहचान कायम होने के साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश ने पहचान बनाई है। प्रदेश में सरकारी व गैर सरकारी 40 विश्व विद्यालय, एक हजार 500 आई.टी.आई, 250 पोलोटेक्निक के साथ अनेक इंजिनियरिंग व चिकित्सा महाविद्यालय संचालित हैं। उन्होंने समाज के विभिन्न वर्गों का आह्वान किया कि वे महिला शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए निजी महाविद्यालय

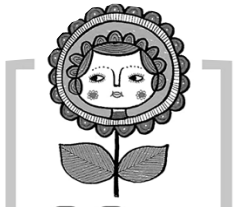

खोले और इस कार्य में सरकार पूरा सहयोग करेगी।

उच्च शिक्षा मंत्री ने समाज सेवा व समाज का गौरव बढ़ाने वालों श्रेष्ठजनों में गिर्राज प्रसाद माणक, केदार गुप्ता, जितेन्द्र, श्रीमती प्रियंका धोकरिया, डॉ.आशा खण्डेलवाल, रामकिशोर तांबी एवं महाविद्यालय की प्राचार्या जया शर्मा को शॉल, स्मृति चिन्ह देकर समानित किया। उन्होंने महाविद्यालय की बालिकाओं को डिग्री देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर समारोह की अध्यक्षता करते हुए सुरेश पाटोदिया ने महाविद्यालय के विकास में सहयोग देने पर समाज के उद्योगपतियों व व्यापारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मेरिट में आने वाली छात्राओं को वे स्वयं एक लाख 51 हजार रुपये की राशि देने के साथ देश व विदेश में समाज की पढ़ने वाली छात्राओं का खर्च स्वयं वहन करेंगे।

समारोह में महाविद्यालय प्रबन्धन समिति एवं श्री वैश्व हितकारणी सभा के पदाधिकारियों में बी.एल. डंगायच, श्रीराम रावत, श्रीमती निर्मला रावत, रामकिशोर खुंटेटा, मिथलेश कायथवाल, हनुमान सहाय गुप्ता, कृष्ण अवतार रावत, शंकर टोडवाल, सुखदेव गुप्ता, मोहन लाल गुप्ता एवं कैलाश मोदी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

बाल अधिकारों की रक्षा के लिए जन सहयोग जरूरी

जयपुर। राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती मनन चतुर्वेदी ने कहा कि समाज सुधार एवं बाल अधिकारों की रक्षा के लिए सभी का सहयोग नितान्त आवश्यक है।

श्रीमती चतुर्वेदी इंदिरा गांधी पंचायतीराज संस्थान में आयोग की ओर से आयोजित लैगिंग अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पोक्सो) कार्यशाला को सम्बोधित कर रही थी। उन्होंने विद्यालय में बच्चों को नैतिक शिक्षा के बारे में जानकारी देने और बाल सभा का आयोजन करने का आह्वान किया जिससे बच्चों को अपनी बात कहने का मौका मिले और वह संस्कारवान बनें। उन्होंने अध्यापकों को उनके माता-पिता के समक्ष मानते हुए इस कार्य में सहयोग देने की अपील की।

कार्यशाला में राज्य उपभोक्ता मंच के रजिस्टार महेन्द्र कुमार दवे ने पोक्सो अधिनियम के प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी। विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव विष्णु दत्त शर्मा ने राजस्थान पीड़ित प्रतिकर योजना के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला में शैलेन्द्र

पाण्डया ने बाल यौन हिंसा की रोकथाम पर चर्चा की।

कार्यशाला के प्रारंभ में सदस्य सचिव बी.एल. मेहरा ने आयोग की पृष्ठ भूमि पर प्रकाश डाला। इससे पूर्व कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्जवलित कर किया गया।

आर्मी और नेवी में भी हो महिला बटालियन
वॉरशिप पर भी हो तैनाती : परिकर

नई दिल्ली। इंडियन एयरफोर्स में महिलाओं को फाइटर प्लेन उडाने के लिए कमीशंड किए जाने के आर्मी और नेवी में भी महिला बटालियन बनाए जाने की बात कही है।

डिफेंस मिनिस्टर मनोहर परिकर ने नेवी में वॉरशिप और आर्मी में ग्राउंड बैटल के लिए महिला बटालियन बनाने और उनकी तैनाती का सुझाव दिया है। परिकर ने डिफेंस में महिलाओं की बदलती भूमिका और अवसर के सब्जेक्ट पर वूमन इंडस्ट्रीयलिस्ट के साथ बातचीत के दौरान यह बयान दिया।

परिकर ने इस प्रोग्राम में यह भी खुलासा किया कि उन्हें इंडियन एयरफोर्स में महिलाओं को फाइटर प्लेन उड़ाने की परमीशन देने के लिए परंपरागत सोच रखने वाले लोगों के विरोध का भी सामना करना पड़ा। उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें विशेष कोशिशें करनी पड़ी।

जेएसजी मिडटाऊन बना हर्ष मेक्रो का सरताज

जयपुर। जैन सोश्यल ग्रुप्स इन्टरनेशनल फैडरेशन के नादर्न रीजन के तत्वावधान में हर्ष मैक्रो अन्ताक्षरी प्रतियोगिता सी-स्कीम स्थित महावीर स्कूल के वर्धमान सभागार में हुई। इसमें जैन सोयश्यल ग्रुप मिडटाऊन की टीम विजेता रही। उप विजेता जैन सोश्यल ग्रुप सेन्ट्रल संस्था की टीम रही।

रीजन चैयरमेन सूर्यप्रकाश छाबडा ने बताया कि जेएसजी वीनस के आतिथ्य में आयोजित इस विशाल आयोजन का शुभारम्भ समाजसेवी जय कुमार कासलीवाल ने भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं तीन बार सामूहिक रूप से णमोकार महामंत्र के उच्चारण से हुआ। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता आहना डेयरी के पारस जैन व अंकित जैन ने की। विशिष्ठ अतिथि जेएसजीआईएफ मुम्बई के वाईस प्रेसीडेन्ट प्रमोद दरडा थे।

रीजन सचिव विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि ग्रुप में जेएसजी मेट्रो की टीम विजयी रहकर फाइनल में पहुची। इसमें अन्य चार टीमें जेएसजी कैपिटल, टोपाज, हवामहल व डायमण्ड थी। ए ग्रुप में मिडटाऊन की टीम विजयी रही। इसमें अन्य टीमें जेएसजी महानगर, रैनबो, नॉर्थ व सनशाईन थी। बी ग्रुप में जनक की टीम विजयी रही। इसमें अन्य टीमें जेएसजी रॉयल, ब्लू डायमण्ड, नवकार व एमरल्ड थी। सी ग्रुप में पर्ल की टीम विजयी रही। इसमें अन्य टीमें जेएसजी संस्कार, अरिहंत, हैरिटेजसिटी व पिंकसिटी थी। डी ग्रुप में सेन्ट्रल संस्था की टीम विजयी रही। इसमें अन्य टीमें जेएसजी स्पार्कल, सफायर व वीनस थी।

समन्वयक महेन्द्र गिरधरवाल ने बताया कि फाईनल राऊण्ड से पूर्व फैडरेशन, नॉर्दन रीजन व जेएसजी वीनस के पदाधिकारियों मेल व फिमेल की टीमों के मध्य फ्रैंडली अन्ताक्षरी गैम करवाया गया। जिसमें जेएसजी वीनस की फिमेल टीम विजयी रही।

जेएसजी वीनस के अध्यक्ष रविन्द्र बिलाला व सचिव अक्षय जैन ने बताया कि फाईनल राऊण्ड में समाजसेवी गुलाब कौशल्या चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रबन्ध ट्रस्टी, रोटरी क्लब जयपुर नॉर्थ के अध्यक्ष व जेएसजी मेट्रो, जयपुर के संरक्षक नरेश मेहता द्वारा भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन से शुरू हुआ। इस मौके पर विशिष्ठ अतिथि जेएसजीआईएफ मुम्बई के पूर्व प्रेसीडेन्ट राकेश कुमार जैन, सीए पीयूष जैन (कल्पतरू फाईनेन्स), प्रमोद गंगवाल (कृष्णा पेस्टीसाईड), नमित अग्रवाल एवं मुकेश मेहता (फैन्टेसी लाईफ स्टाईल) एवं सुनील सोंखिया (होटल ग्रांड हर्षल) थे।

अंजू शर्मा की पुस्तक की लॉन्चिंग

जयपुर। भारतीय प्रशासनिक सेवा की वरिष्ठ अधिकारी एवं गुजरात की प्रमुख शासन सचिव सहकारिता श्रीमती अंजू शर्मा द्वारा लिखित पुस्तक आई ऑफ दी स्टॉर्म : डिस्कवर योर टू सेल्फ की राजस्थान में लॉन्चिंग हुई।

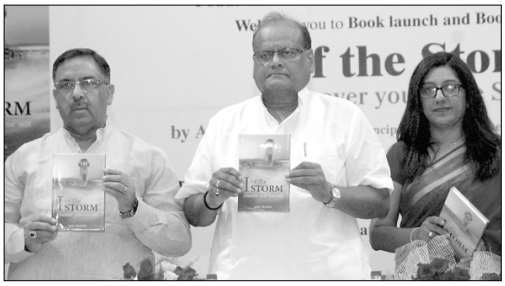

इस अवसर पर अंजू शर्मा ने पुस्तक के बारे में अपने विचार भी साझा किए। फेडरेशन ऑफ राजस्थान ट्रेड एण्ड इण्डस्ट्री एवं पोद्दार इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एल्युमिनाई एसोसिएशन की ओर से इन्दिरा गांधी पंचायतीराज संस्थान में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री कालीचरण सराफ और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अरूण चतुर्वेदी थे।

इस अवसर पर श्रीमती अंजू शर्मा ने बताया कि मैंने जो भी अपने अनुभवों से सीखा है उसे इस पुस्तक में संजोने का प्रयास किया है। यह लेखन अपने आपको जानने की यात्रा है। इन्सान को लगातार खुद को खोजते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक जिन्दगी को एक अलग नजरिए से देखने की उम्मीद जगा सकती है।

कार्यक्रम में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि जीवन में हर व्यक्ति को सकारात्मक रहना चाहिए।

सात बालिकाओं को स्कूटी वितरित

जयपुर। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री सुरेन्द्र गोयल ने धौलपुर स्थित जिला परिषद में हुए कार्यक्रम में अनुसूचित जन जाति वर्ग की 7 बालिकाओं को माडा योजना में स्कूटी वितरित की। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री ने कहा कि अनुसूचित जन जाति की जिस छात्रा ने राजस्थान बोर्ड या सीबीएसई से 10वीं या 12वीं में 65 प्रतिशत अंकों से परीक्षा पास की तथा वह माडा क्षेत्र की है, उसे निःशुल्क स्कूटी दी जाती है। उन्होंने कहा कि बालिका जब मां के पेट में होती है, तभी से सरकार उसकी परवरिश में लग जाती है। उसे पूरे टीके लगे, वह स्वस्थ पैदा हो, लिंग चयन के चक्कर में उसे पैदा होने से पहले न मार दिया जाये, इसकी पूरी चिन्ता सरकार को है।

पैदा होते ही उसके अभिभावक को राजश्री योजना में पैसा मिलना शुरू हो जाता है। सरकारी विद्यालय, कॉलेज में बालिका से कोई फीस नहीं ले रहे, किताबे और अन्य सुविधाएं निःशुल्क दे रहे हैं। विभिन्न योजनाओं में साईकिल और स्कूटी भी दी जा रही है जिससे वे समय पर विद्यालय, कॉलेज पहुंचे तथा पढ़ाई में प्रतिस्पर्धी बने। बीपीएल, असंगठित क्षेत्र के श्रमिक और विधवा की पुत्री की शादी पर भी सरकार आर्थिक सहायता देती है। किशोरियों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए निःशुल्क सेनेटरी नेपकिन स्कीम संचालित हैं। उन्हें स्थानीय निकाय और नौकरियों में आरक्षण है ताकि वे और आगे बढ़े। उन्होंने आशा जतायी कि ये बालिकाएं और ज्यादा मेहनत कर पढ़ाई और अन्य क्षेत्रों में राज्य का नाम रोशन करेंगी।

सांसद मनोज राजोरिया ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना और बालिका शिक्षा के लिए केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों और उपलब्धियों के बारे में बताया।

रोटरी क्लब जयपुर नार्थ ने किया तीन स्थानों पर पौधरोपण

जयपुर। रोटरी क्लब जयपुर नार्थ की ओर से चलाए जा रहे पर्यावरण अभियान के तहत शहर में यूथ हॉस्टल, जवाहर नगर के सेक्टर-2 पार्क व वाटिका ग्राम में पौधरोपण किया गया। इन तीनों स्थानों पर करीब 250 पौधे लगाए गये। क्लब अध्यक्ष नरेश मेहता ने बताया कि आज यूथ हॉस्टल में 100, जवाहर नगर के सेक्टर-2 पार्क में 75 व वाटिका ग्राम में 75 पौधे लगाए गए।

इस मौके पर सहायक प्रांतपाल सोमेंद्र शर्मा, अर्चना शर्मा, अशोक कोटलर, पौधारोपण अभियान के संयोजक महेश शर्मा, सचिव राम बाबू, विनोद जैन कोटखावदा, नीरज गंगवाल सुधीर गोधा आदि उपस्थित रहे।

मिल सकेगी छह महीने की मैटरनिटी लीव, 40 देशों में है ऐसी फैसिलिटी

नई दिल्ली। सरकारी और प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाली महिलाओं को साढ़े छह महीने (26 हफ्ते) की मैटरनिटी लीव मिल सकती है। प्राइवेट सेक्टर में अभी 3 महीने की मैटरनिटी लीव दी जाती है। सेंट्रल लेबर मिनिस्ट्री ने इसे बढ़ाने का प्रपोजल तैयार किया है। बता दें कि भारत में महिलाओं का प्रेग्नेंसी की वजह से वर्कप्लेस छोड़ने का रेट दुनिया में सबसे ज्यादा है।

अरुण जेटली की अगुआई वाले मंत्रियों के ग्रुप ने इस प्रपोजल को पहले ही हरी झंडी दे दी है। लेबर मिनिस्ट्री के एक अफसर के अनुसार, हमने मैटरनिटी बेनिफिट एक्ट, 1961 में बदलाव करने के लिए सरकार के पास प्रपोजल भेज दिया है। वुमन एंड चाइल्ड डेवलपमेंट मिनिस्टर मेनका गांधी ने लेबर मिनिस्टर बंडारू दत्तात्रेय से मुलाकात कर इस प्रॉसेस को तेज करने की रिक्वेस्ट की थी। अगर कैबिनेट प्रपोजल को मंजूरी दे देती है, तो भारत उन 40 देशों में शुमार हो जाएगा जहां मैटरनिटी लीव 18 हफ्ते से ज्यादा दी जाती है। हाल ही में पेश किए गए आंकड़ों के मुताबिक, भारत में प्रेग्नेंट महिलाओं के वर्कप्लेस छोड़ने का रेट दुनिया में सबसे ज्यादा है। इसकी वजह उन्हें बहुत कम मैटरनिटी लीव मिलना और काम पर जल्दी लौटने का दबाव है। मेनका गांधी ने पिछले साल भी दत्तात्रेय को लेटर लिखा था इसमें वर्किंग वुमन की मैटरनिटी लीव को 8 महीने करने की बात कही थी। हालांकि, इस प्रपोजल को भी रिजेक्ट कर दिया गया।

सम्पादकीय

मतभेद के बीच मनभेद न आने दें

जहां मतभेद हो पर मनभेद नहीं है। वहां पति-पत्नी को मुंह से बोलना ही नहीं पड़ता एक के मन में बात आती है, दूसरे के हृदय में स्वतः ही पहुंच जाती है। इशारों-इशारों में ही सारी जिन्दगी बीत जाती है।

हम देखते हैं वैचारिक भिन्नता के कारण पति-पत्नी छत्तीस की मुद्रा में होते हैं। वाक युध्द चलता है, छोटी-छोटी बात पर बड़ा मतभेद हो जाता है। न सिर्फ पति-पत्नी बल्कि कोई भी संबंध हो मन में एक बार दरार आ गई तो मानों जैसे पहाड टूट गया हो। परंतु इस बात की नौबत क्यों आने दें अत: जीवन में मतभेद तो ठीक है परंतु मनभेद को जिन्दगी में नहीं आना चाहिए।

जीवन की सफलता आपके व्यवहार पर निर्भर है। व्यवहारिक योग्यता अनुभव से ही प्राप्त होती है। बुध्दि से काम लेना, व्यवहार में कुशलता, अच्छा व्यवहार सबसे बड़ी बात है। जीवन में स्वयं की गलतियों को ढूंढे तथा अपने में सुधार लाने की आवश्यकता है। मनुष्य कुछ खोकर ही कुछ पाता है इसका सीधा मतलब है कि मनुष्य एक बार धोखा खाकर या गलती करके आगे के लिए सावधान हो जाता है और अपने को सुधार लेता है। अपनी गलतियों का सबसे सरल यह उपाय है। यदि यही बात समझ में आ जाती तो आपस में, रिश्तेदारी में, मित्रों से मतभेद, तर्क-वितर्क हो सकता है पर मनभेद की तो संभावना ही नहीं होगी। हमें कब किसके साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए इसका निर्णय अपने अनुभव के आधार पर अपनी बुध्दि व विवेक से करना होता है। सिर्फ बुध्दिमान होने से भी काम नहीं चलता हम व्यवहारिक रूप से तभी सफल हो सकते हैं। जब बुध्दि सजग, संयत एवं अनुभव संपन्न हो।

मन की शांति इस बात से प्राप्त होती है, वो कोई वैभव या संपन्नता से नहीं जिसका हृदय सदभावना से विशाल होता है। जो बात स्वयं अपने को कष्टप्रद प्रतीत उसे दूसरों के साथ भी न करें। क्षमा-दया से युक्त मन अपने आप सेवा त्याग, प्रेम, सहानुभूति एवं अनुराग से परिपूर्ण होता है वह मनभेद आने नहीं देता।

जो मनुष्य मात्र से प्रेम करता है उससे सब प्रेम ही करेंगे यही तो हमारा नियम है आपके मन में किसी के प्रति कोई अनिष्ठ की भावना नहीं है तो आपको न दुष्टों से न दुश्मनों से भय होगा। इसका मतलब है कोई असाधूता पूर्ण व्यवहार करता भी है तो उसका निराकरण यथा संभव साधूता से ही करना चाहिए। आप चाहे कितने धनी-मानी क्यों न हो पर दूसरों को तुच्छ न मानिये यही तो मनुष्यता है। दिल खोल अच्छी बुरी सभी बात करिये पर साथ ही बात-बात में अपना गर्वयुक्त व्यवहार दिखाने से बचिये। मनभेद से बचकर, मत भेद पर स्वस्थ्य तर्क वितर्क करिये, दूसरों की अच्छी बातों को समझें, जो ज्ञान आपके पास है, दूसरों के बीच प्रस्तुत करने का श्रेष्ठ तरीका है।

बच्चों की सुरक्षा शिक्षकों का पहला दायित्व : महाजन

जयपुर। जिला कलक्टर सिद्धार्थ महाजन ने कहा कि सभी विद्यालयों के शिक्षकों का पहला दायित्व है कि वे बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा देने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें।

जिला कलक्टर महारानी राजकीय गर्ल्स उच्च माध्यमिक विद्यालय में जिला प्रशासन के सौजन्य से बाल यौनाचार एवं उत्पीड़न की रोकथाम के लिए बाल यौन उत्पीड़न सुरक्षा एवं सावचेष्ठन कार्यक्रम एक अभियान कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले मास्टर ट्रेनर शिक्षकों का आह्वान किया कि वे अपने-अपने विद्यालयों में प्रार्थना सभाओं में विद्यार्थियों को पोस्को कानून के प्रावधानों व क्रियान्वयन एवं बचाव के उपायों की जानकारी देकर बच्चों को जागरूक करें।उन्होंने शिक्षकों से कहा कि वे बच्चों के अभिभावकों, विद्यालयों के अन्य शिक्षकों व स्टाफ व बच्चों को स्कूल लाने व ले जाने वाली बालवाहनी बसों के चालकों, ओटो रिक्त चालकों एवं अन्य सेवा देने वाले

कार्यशाला

व्यक्तियों को भी पोस्को कानून की गहनता से जानकारी दी जाये ताकि बाल यौनाचार एवं उत्पीड़न की घटनाओं की प्रभावी रूप से रोकथाम हो सके।

महाजन ने कहा कि बाल उत्पीड़न को रोकने के लिए जिला प्रशासन, पुलिस, विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों एवं स्वयं सेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों द्वारा सामूहिक रुप से प्रयास किये जा रहे हैं। जिसके तहत कार्य योजना तैयार की गयी है ताकि ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि जयपुर आयुक्तालय क्षेत्र के सभी पुलिस थानों, राजस्थान पुलिस अकादमी, पुलिस लाईन के पुलिसकर्मियों को पोस्को कानून की संवेदनशीलता व सुचारू क्रियान्वयन के सम्बन्ध में प्रशिक्षण दिया जायेगा।

उन्होंने बताया कि हम सब को मिलकर समाज में बच्चों की सुरक्षा का वातावरण बनाने के लिए अपने दायित्वों का पूरे मनोयोग से निर्वहन करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षकगण आज यहां के प्रशिक्षण प्राप्त कर इस संकल्प के साथ जाये कि वे विद्यालयों में सभी के सहयोग से बच्चों की सुरक्षा का वातावरण का निर्माण करने में पूरी जिम्मेदारी से अपने कर्त्तव्य का पालन करें।

अब नहीं होगी कोई बालिका वधू

यह कहानियां हैं उन बालिकाओं की जो बाल विवाह जैसी कुप्रथा के खिलाफ आ खड़ी हुई हैं। बचपन में हुई शादी को ये ठुकरा रही है। ससुराल जाने की बजाय अब पढ़ना चाहती है। सामाजिक बंधनों को तोड़ आगे निकलना चाहती है। ये खुद से बस एक वायदा कर रही हैं कि जो हमारे साथ हुआ वो दूसरी बेटियों के साथ नहीं होने देंगे। इन्होंने अपना बाल विवाह तो रुकवाया ही बल्कि अब अपने-अपने क्षेत्रों में किशोरी बालिका मंचों का गठन कर बाल विवाह की कुप्रथा को लेकर लोगों को जागरूक कर रही हैं। संकल्प ले रही है कि हमारे इलाके में एक भी बाल विवाह नहीं होने देंगे। आइए, हम मिलते हैं ऐसी ही कुछ बहादुर बालिकाओं से।

समाज से लड़कर अपना दो बार बाल विवाह तोड़ने वाली सविता चौधरी सिरोही जिले की रेवदर पंचायत समिति के सोनेला ग्राम पंचायत के सोनाली गांव में रहती है। चार साल की उम्र में उसका बाल विवाह कर दिया। होश संभाला तो इस शादी को मानने से इनकार कर दिया। और शादी को ठुकरा कर अपनी पढ़ाई जारी रखी। 17 साल की उम्र में उसका फिर बाल विवाह कर दिया। इस बार भी उसने संघर्ष किया और अपनी इस दूसरी शादी को भी ठुकरा दिया। क्योंकि उसे अपनी पढ़ाई जारी रखनी थी। घरवालों ने स्कूल की फीस नहीं दी तो सविता ने दिन-रात खेतों में काम किया और जो पैसा कमाया वो पढ़ाई लिखाई में खर्च कर दिया। सविता कहती है, ''इस छोटी सी जिंदगी ने मुझे काफी कुछ सिखा दिया। तमाम मुश्किलों के बाद भी मैंने लड़ना सीखा अब मुझे अपने सपने पूरे होते हुए नजर आ रहे हैं।''

ऐसी ही एक बहादुर बालिका परमेश्वरी सैनी है। वह भी सोनेला ग्राम पंचायत की निवासी है। परमेश्वरी ने खुद का बाल विवाह रूकवाने के लिए चार दिन तक घर में भूख हड़ताल कर दी। उसकी 15 साल की उम्र में ही शादी कर दी गई। वह आटे-साटे का शिकार हुई। घरवालों ने उसकी शादी तो कर दी लेकिन उसने ससुराल जाने के लिए मना कर दिया। अपनी शादी के खिलाफ बगावत कर खाना-पीना छोड़ दिया। अंत में परिजनों को उसकी जिद के आगे झुकना पड़ा और यह शादी तोड़नी पड़ी। आज वह 12वीं कक्षा में हैं और अपने क्षेत्र की अन्य बालिकाओं को बाल विवाह के प्रति जागरूक कर रही है। सिरोही जिले की उड़वारिया ग्राम पंचायत की पूजा चौधरी 16 साल की है। वह अभी आठवीं कक्षा में पढ़ती है। परिवार

वालों ने उसकी सगाई कर दी और शादी करनी चाही। पर पूजा बाल विवाह के खिलाफ अड़ गई। कह दिया अभी तो मैं पढ़ना चाहती हूं।

17 साल की रामगणी जाट को तो अभी तक भी अपने बाल विवाह का दंश झेलना पड़ रहा है। रामगणी भीलवाड़ा जिले के सहाड़ा ब्लॉक के गोवलिया ग्राम पंचायत के खसूरिया गांव की रहने वाली है। वह जब 13 साल की थी तब अपनी 6 बहिनों के साथ उसकी भी शादी कर दी। उसकी एक बहिन तो मात्र 2 साल की थी। ससुराल वाले आते और प्यार से समझा बुझाकर उसे ले जाते। तीन साल तक यूंही चलता रहा। होश संभाला तो इस बात का अहसास हुआ। अब वह ससुराल नहीं जाना चाहती बल्कि पढ़ लिखकर पुलिस अफसर बनना चाहती है।

भीलवाड़ा की आमली ग्राम पंचायत की 20 वर्षीय रिंकू प्रजापत की शादी दस साल की उम्र में उसके बड़े भाई के साथ आटे-साटे में कर दी। जब होश संभाला तो भाई को लड़की पसंद नहीं आई और उसने यह शादी तोड़ दी। इसका परिणाम रिंकू को भी भुगतना पड़ा और उसकी भी शादी टूट गई। अब उसके घरवाले रिंकू को नाते भेजने पर तुले हैं। पर वह इन सब को पीछे छोड़ आगे बढ़कर पढ़ना चाहती है। सारेला गांव की देऊ रैगर की शादी 6 साल की उम्र में कर दी। थोड़ी बड़ी हुई तो ससुराल वाले उसे लेने आ गए पर वे उसने ससुराल जाने का विरोध किया। उसने अपने घरवालों को समझाया पर वो नहीं मानें। देऊ को ससुराल जाना ही पड़ा। वहां गई तो सास ने फरमान जारी कर दिया। कह दिया अब पढ़ाई करना छोड़ दो और घर के काम संभालों। रिंकू ने ससुराल को छोड़ अपनी पढ़ाई जारी रखने का निर्णय लिया।

बाल विवाह के खिलाफ अन्य क्षेत्रों की बालिकाएं भी आगे आई हैं। आदिवासी क्षेत्रों की किशोरियों ने भी बाल विवाह के खिलाफमुहिम छेड़ दी है। आबू रोड़ के मोरथला गांव की 22 साल की पवनी गरासिया की शादी 17 साल की उम्र में हो गई थी। ससुराल में उसका पति उसे परेशान करता। पवनी ने इस शोषण से मुक्त होने का सोचा और ससुराल को छोड़ दिया। वह अब अपने परिवारवाले के साथ रहकर 7वीं से आगे पढ़ाई करना चाहती हैं। आदिवासी इलाकों में बाल विवाह का प्रचलन काफी है। बेटियां 12-13 साल की होती नहीं है कि उनकी शादी कर दी जाती है। इन इलाकों की स्कूल में पढ़ने वाली ज्यादातर किशोरियां शादीशुदा होती है। लेकिन अब इस क्षेत्र की किशोरियां बाल विवाह के दुष्प्रभावों की जानकारी अपने समाज के लोगों को दे रही है। -**बाबूलाल नागा**

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक श्रीमती सुधा बहल द्वारा श्रीराम ऑफसैट, जोरावरसिंह गेट, जयपुर में मुद्रित कराकर 8/141 मालवीय नगर, जयपुर-302017 से प्रकाशित।
सह सम्पादक - पुनीत बहल। मोबाईल : 08559873580, ई मेल : womenobserver@gmail.com

एसबीबीजे एवं वनस्थली वि.वि. द्वारा नवज्योति परियोजना का शुभारंभ

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर एवं वनस्थली विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से एक परियोजना नवज्योति का शुभारंभ किया गया। भारत में इंटरप्रेन्योरशिप एवं एमएसएमई को प्रोत्साहित करने के लिए यह एक नवोन्मेशी परियोजना है।

बैंक के प्रबंध निदेशक ज्योति घोष एवं विश्वविद्यालय के कुलपति आदित्य शास्त्री की गरिमामय उपस्थिति में वनस्थली विश्वविद्यालय परिसर में आज समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये। बैंक द्वारा अपने कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत विश्वविद्यालय में कार्यशालाओं का आयोजन, ऑनलाईन माड्यूल निर्माण, डाक्टरेट स्तर की उपाधि हेतु अनुसंधान सुविधा उपलब्ध कराने एवं एमएसएमई क्षेत्र को बढ़ावा देने हेतु विश्वविद्यालय को रुपये 135 लाख का सहयोग प्रदान किया गया।

इस अवसर पर ज्योति घोष ने बताया की इस पहल से जमीनी स्तर पर उद्यमशीलता को प्रोत्साहन मिलेगा जिससे राज्य की आर्थिक प्रगति में भी वृद्धि होगी। उन्होंने आगे बताया कि एसबीबीजे को अपने ग्रामीण स्व रोजगार प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से महिला उद्यमियों को अनुसंधान लाभ प्रदान करने में प्रसन्नता होगी। वर्तमान में आठ केंद्रो से ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान संचालित किए जा रहे है। उन्होंने इस पहल से बड़ी संख्या में महिला उद्यमियों को समृद्ध बनाने का विश्वास दिलाया ।

वनस्थली विश्वविद्याल के कुलपति ने एसबीबीजे के इस उदार सहयोग के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया तथा बताया कि गत आठ दशकों से वनस्थली महिलाओं के बीच नेतृत्व विकास का कार्य कर रहा है एवं यह परियोजना युवा उद्यमियों को आगे बढ़ाने में और ज्यादा कारगर होगा।

वनस्थली विश्वविद्यालय के ज्ञान मंदिर सभागार में आयोजित समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर कार्यक्रम में सैकडों लोगों ने भाग लिया जिसमें एसबीबीजे उच्च प्रबंधन सदस्यगण, एम.बी.ए., फार्मेसी, इंजिनियरिंग के विद्यार्थियों, वरिष्ठ संकाय सदस्यों, भावी उद्यमियों सहित कई लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन एफएमएस विज़्डम व वनस्थली विश्वविद्यालय के एसबीआई स्कुल ऑफ कामर्स एण्ड बैंकिंग के सदस्यों के समूह द्वारा किया गया। अंत में वनस्थली विश्वविद्यालय के उपाध्यक्ष प्रो. सिद्धार्थ शास्त्री द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

पीड़ितों की सहायता के लिए तत्पर लोग अभिवादन योग्य

जयपुर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से जोधपुर के राजकीय सीनियर सैकेण्डरी विद्यालय सांगरिया में मेगा विधिक चेतना एवं जन कल्याणकारी शिविर का आयोजन किया गया।

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधिपति अनिल आर. दवे के मुख्य आतिथ्य एवं राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति नवीन सिन्हा के विशिष्ट आतिथ्य में हुए इस शिविर में लाभार्थियों को मौके पर ही सहायता व लाभ भी वितरित किए गए। भगवान् महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा दिव्यांग बच्चों को स्वयं फाउंडर डी आर मेहता ने जयपुर फुट भी लगाए।

मुख्य अतिथि न्यायाधिपति अनिल आर दवे ने संस्कृत के श्लोक का उल्लेख करते हुए कहा कि 'अन्नदान सर्वश्रेष्ठ है मगर ज्ञान का दान सर्वोपरि है।' योजनाओं व कल्याणकारी सहायता देकर हम स्वावलंबी व ज्ञान देकर लाभान्वितों को समर्थ बना रहे हैं। वे उदारमना व समाजसेवी लोग भी अभिवादन के योग्य हैं जो पीड़ितों व जरूरतमंदों के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे आज ऐसे शिविर में आकर बहुत खुशी हो रही है जहां मानवता के इन पुनीत कार्यों के साक्षात दिग्दर्शन हो रहे हैं। उन्होंने राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण व जिला प्रशासन की भी सराहना की जिनके कारण इस तरह के सफल आयोजन होते हैं।

राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति नवीन सिन्हा ने कहा कि जरूरतमंदों व पीड़ितों की सहायता करना उनको संबल देने के साथ ही आत्मविश्वास में भी बढोतरी करता है। राजस्थान व जोधपुर में गांवों तक इतने लाभकारी शिविर सीधे पीड़ितों तक लाभ पहुंचा रहे हैं इनसे जहां आत्मबल भी बढेगा व हुनरमंद बनने में भी सहायता मिलेगी। उन्होंने इन कल्याणकारी शिविरों को अनुकरणीय बताया तथा इनके नियमित आयोजन पर बल दिया।

सी.ए. छात्र ऋषभ जैन के 25वें जन्म दिन पर

असहाय व निर्धन छात्र-छात्राओं को स्कूल बैग वितरण

जयपुर। प्रसिद्ध युवा समाजसेवी, जैन सोश्यल ग्रुप मैट्रो के संस्थापक अध्यक्ष, ऋषभ सेवा संस्थान के मानद् सचिव एवं राजस्थान जैन सभा के संयुक्त मंत्री विनोद जैन कोटखावदा एवं संगिनी जेएसजी मेट्रो की संस्थापक अध्यक्ष श्रीमति दीपिका जैन कोटखावदा के सुपुत्र होनहार सी.ए. छात्र स्व. ऋषभ जैन के 25वें जन्म दिवस के अवसर पर ऋषभ सेवा संस्थान एवं संगिनी जेएसजी

मेट्रो, जयपुर द्वारा कई सेवा कार्य व धार्मिक कार्य किये गये। संगिनी जेएसजी मेट्रो की अध्यक्ष श्रीमति बरखा जैन ने बताया कि इस मौके पर बस्सी ब्लॉक के राज.उ.प्राथमिक विद्यालय में कक्षा 1 से कक्षा 8 तक के छात्र-छात्राओं को स्कूल बैग वितरण किये गये। साथ ही स्टेशनरी आईटमों के साथ बच्चों को फल, बिस्कुट, मिठाई आदि भी दी बाटी गई। इस मौके पर हिंगोनिया गौशाला में गायो को केले आदि खिलाये गये। उल्लेखनीय हैं कि ऋषभ जैन मात्र 9 वर्ष की आयु में ही जयपुर से श्रीमहावीरजी की 130 किमी की पदयात्रा, 10 वर्ष की आयु में जैन धर्म के सबसे बड़े शाश्वत तीर्थ क्षेत्र सम्मेदशिखरजी की 27 किमी की पैदल वंदना सहित सैन्ट जेवियर स्कूल का अव्वल छात्र था। 28 अप्रैल, 2009 को एक सडक दुर्घटना में काल के हाथों ने ऋषभ जैन को छीन लिया था।

मुख्यमंत्री ने खिलौने बांटकर बच्चों के चेहरे पर बिखेरी मुस्कान

जयपुर। मुख्यमंत्री श्रीमती वसुन्धरा राजे ने तेज बारिश के मौसम में समय का सदुपयोग बच्चों के चेहरे पर मुस्कुराहट बिखेर कर किया। उन्हें जाना तो था सिरोही जिले में कई स्थानों पर अचानक विकास कार्यों की जमीनी हकीकत परखने लेकिन सुबह से ही हो रही तेज बारिश के कारण इसमें विलम्ब हुआ और उन्होंने इस समय का सदुपयोग बच्चों को खिलौने, पुस्तकें, स्कूल बैग और स्कूल ड्रैस बांट कर किया। मुख्यमंत्री ने आपका जिला-आपकी सरकार कार्यक्रम के दूसरे दिन सर्किट हाउस में बच्चों के साथ बैठकर आत्मीयता से बातचीत की। उन्होंने बच्चों को अपने हाथों से चॉकलेट एवं टॉफी खिलाई।

श्रीमती राजे ने लॉयन्स क्लब की ओर से किए गए इस प्रयास की सराहना की। उन्होंने सभी संस्थाओं, नागरिक संगठनों और भामाशाहों से टॉय बैंक एवं बुक बैंक आदि में सहयोग करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने सर्किट हाउस में ही विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं आमजन से मुलाकात कर उनके अभाव-अभियोग सुने और मौके पर ही जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक को उचित दिशा निर्देश दिए। मुख्यमंत्री से राजस्थान ग्रेनाइट माइनिंग संघ, भारतीय किसान संघ, मीणा संघ, माली समाज, कीर समाज, प्रजापत समाज, राजपूत समाज, रैबारी समाज, मुस्लिम वक्फ कमेटी, सिरोही, समता सैनिक दल, युवा मोर्चा आदि संगठनों के प्रतिनिधियों ने मुलाकात की। श्रीमती राजे से महन्त श्री तीर्थगिरी जी महाराज ने भी मुलाकात की। इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र राठौड़, देवस्थान एवं गो-पालन राज्यमंत्री ओटाराम देवासी, सांसद देवजी पटेल, अतिरिक्त मुख्य सचिव राकेश वर्मा, महिला एवं बाल विकास सचिव कुलदीप रांका, संभागीय आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, जिला कलेक्टर तथा पुलिस अधीक्षक सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।